शिक्षा का उत्थान   शिक्षक का सम्मान   मानवता का कल्याण

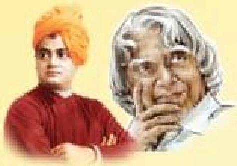

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों द्वारा रचित रुचिपूर्ण, शैक्षिक कविताओं का संग्रह

बाल सृजन संसार

माह - जून 2023

संकलन - काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।   #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- गुरुवार

446

दिन- 01/06/2023

पत्र

चार तरह का होता पत्र,
बधाई वाला होता पत्र।
प्यारा-न्यारा दिखता पत्र,
सुन्दर-सुन्दर रहता पत्र।।

मेरे मन को भाये,
खुशियों मे भी पत्र आये।
यही तो पत्र कहलाये,
पत्र आये, पत्र आये।।

एक होता प्रार्थना पत्र,
एक होता खुशियों का पत्र।
एक होता निमन्त्रण पत्र,
एक होता संवेदना पत्र।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 02-06-2023
447
दिन- शुक्रवार

काम की बातें

बच्चों! रखो निज ध्यान,
तन का, पीयो अति पानी।
तरबूज अरू तरबूज खाओ,
ये बात सब जानी।।

रहो घर में, धूप में,
जाओ नहीं तुम सब।
छाँव पीपल और बरगद,
की सुखद लगे अब।।

प्याज, नींबू, सन्तरे का,
रोज कर सेवन।
बड़ों की लो सीख फिर,
हो स्वस्थ तन अरु मन।।

रचना
राजा, (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

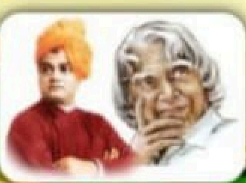

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-03-06-2023 | 448 | दिन- शनिवार

फौजी

मैं हूँ सच्चा छोटा बच्चा,
नन्हा-मुन्हा राही हूँ।
सबसे रहता मिल-जुलकर मैं,
मैं सबका हमराही हूँ।।

पढता, लिखता और खेलता,
मैं ऐसा मनमौजी हूँ।
रखूँ सभी का ध्यान सुनो मैं,
रक्षक देश का फौजी हूँ।।

सब बनते डॉक्टर, ऑफीसर,
मुझको फौजी बनना है।
सीमा पर नित डटा रहूँ मैं,
मुझको दुश्मन से लड़ना है।।

रचना

अंशुल (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि०- बम्हौरी,
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-05.06.2023 | **449** | दिन- सोमवार

पर्यावरण दिवस...

पर्यावरण दिवस का अवसर,
जागरुकता फैलाएँगे।
धरती पर वृक्षारोपण कर,
हरियाली को लाएँगे।।

कारखाने हों बस्ती से दूर,
हरा-भरा वातावरण बनाएँगे।
कूड़ा नहीं कोई फैलाओ,
जीवन अपना स्वच्छ बनाओ।।

वन-जंगल मत काटो तुम,
ज्यादा-ज्यादा पेड़ लगाओ।
वातावरण करो मत गन्दा,
जन-जागरुकता लाओ ।।

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

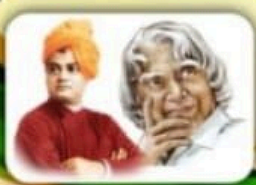

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 06/06/2023 **450** दिन- मंगलवार

पुस्तक और कलम की शक्ति

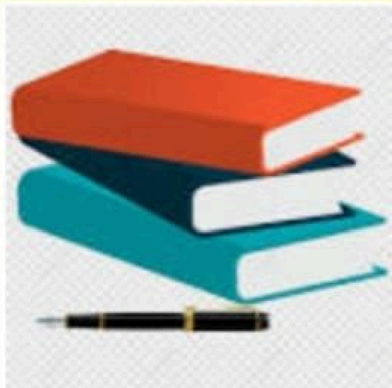

पुस्तक मेरी शक्ति है,
कलम है मेरी शान।
जब यह दोनों मिल गए,
तब से बने मेरे अभिमान।।

चलो मिल के अपनाएँ शिक्षा
और शिक्षा को दे सम्मान।
ना हो कोई अनपढ़ अब यहाँ,
सबको मिलेगा ज्ञान।।

पुस्तक और कलम की शक्ति,
सारे जहाँ को बताना होगा।
अब जो पूरे विश्व में सबको,
शिक्षा को अपनाना होगा।

पढ़-लिख कर सपना पूरा करेंगे बच्चें,
माँ-बाप को होगा उनपर नाज।
शिक्षित भारत बढ़ेगा आगे,
तभी तो भारत करेगा विकास।।

रचना-
रोली शर्मा (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनिया, जनपद- चन्दौली

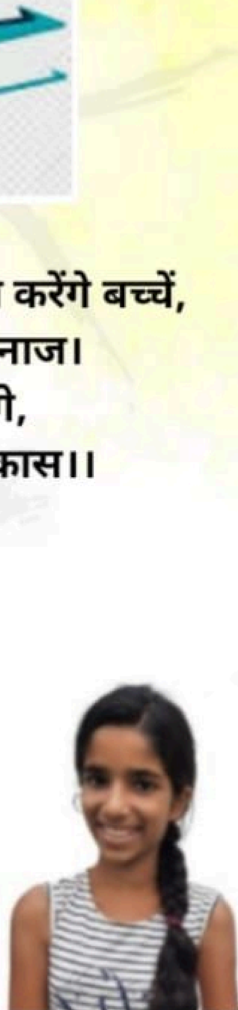

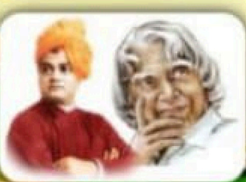

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 07-06-2022

451

दिन- बुधवार

पापा की सीख

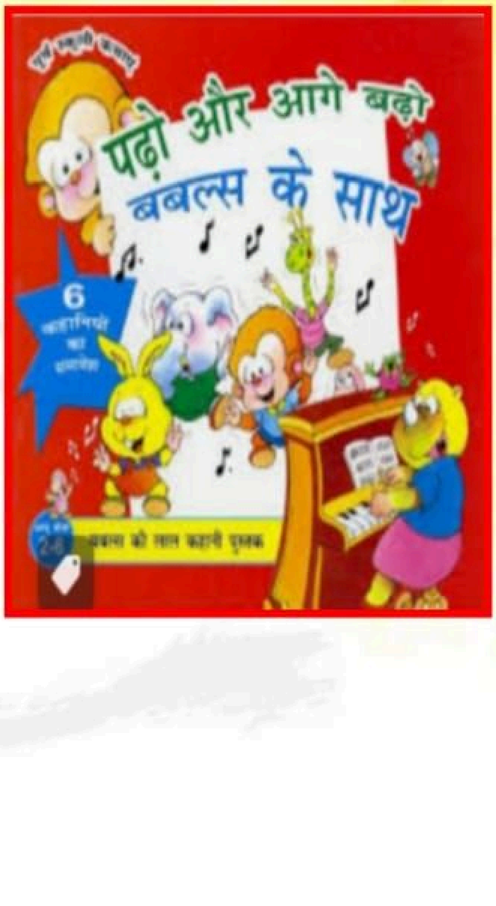

पापा मुझको रोज खेलना,
बहुत ही अच्छा लगता है।
खाना-पीना और घूमना,
मेरे मन को रुचता है।।

पापा बोले- स्कूल जाना,
वहाँ खेल भी होते हैं।
बिबिध भाँति की हों गतिविधियाँ,
सभी वहाँ संग होते हैं।।

खेल-खेल में होय पढाई,
सबके मन को भाती है।
दिनभर पता नहीं चलता है,
होती नहीं लड़ाई है।।

रचना
कौशकी गुप्ता (कक्षा-5)
प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

बाल सृजन संसार

दिनाँक-08.06.2023

452

दिन- गुरुवार

ईद आयी...

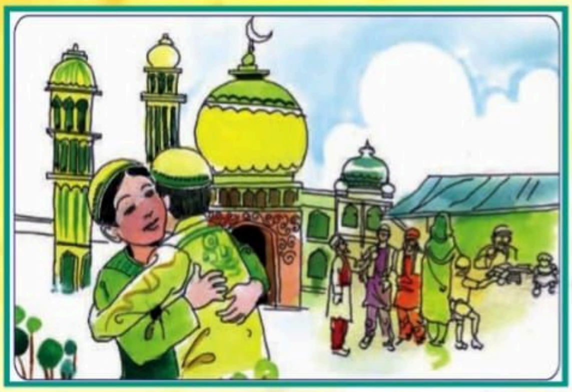

ईद की है आयी रौनक,
खुशियाँ और लायी है रौनक।
गले मिलते हैं भाई-भाई,
ईद आयी, खुशियाँ लायी।।

ईद आयी, सबको भायी,
सबके घर में खुशियाँ लायी।
नानी के घर जाएँगे,
मिलकर धूम मचाएँगे।।

अम्मी मेरी सिंवई बनाती,
सबको शीर-कोरमा
खिलाती।
अब्बू लाये हैं मिठाई,
ईद आयी, ईद आयी।।

रचना
रूखसार (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

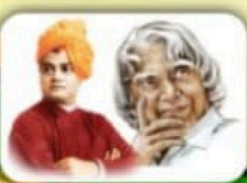

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 09-06-2023

453

दिन- शुक्रवार

साफ-सफाई

घर का कूड़ा डस्टबीन में डालो,
अपने घर को स्वच्छ बना लो।
जो न रखता घर को साफ,
बिमारी आती उसके पास।।

आस पास में पेड़ लगाना,
वातावरण को स्वच्छ बनाना।
परिवेश हमारा जब होगा साफ,
अच्छे स्वास्थ्य का मिलेगा लाभ।।

रचना-

धर्मवीर (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

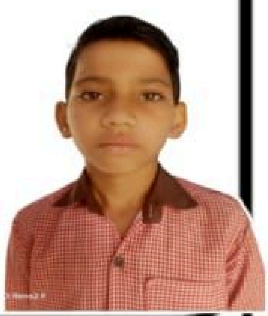

दिनाँक- 10/06/2023 | 454 | दिन- शनिवार

बिल्ली

कितनी सुन्दर प्यारी बिल्ली,
घर में एक दुलारी बिल्ली।
प्यारी-प्यारी न्यारी बिल्ली,
अच्छी-अच्छी दिखती है।।

सुन्दर-सुन्दर दिखती बिल्ली,
प्यारी-प्यारी दिखती बिल्ली।
कितनी सुन्दर दिखती बिल्ली,
कितनी सुन्दर प्यारी बिल्ली।।

रचना-
रवीना कुमारी (कक्षा- 3)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

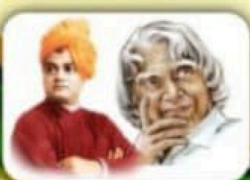

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 12-06-2023 | 455 | दिन- सोमवार

जून महीना

आया महीना जून का बच्चों,
लपट चली झकझोर कर।
धरती, अम्बर, दशों दिशाएँ,
झुलसे, सब मजबूर नर।।

तन की खाल झुलसती देखो,
ताल-तलैया सूखे सब।
पशु-पक्षी सब अकुलाये हैं,
तपन बुझाये कौन अब?

अन्दर-बाहर सभी जगह है,
तपन, आँच अति लगती है।
पानी पीना, घर में रहना,
ये दीदी तुमसे कहती है।।

रचना

कु० नव्या नायक (कक्षा-6)
पू० प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

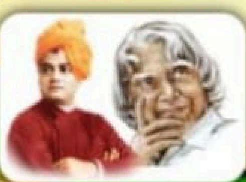

फूलों जैसे हम...

देखो! कितने सुन्दर फूल,
रंग-बिरंगे प्यारे फूल।
दूर-दूर से तितली आती,
फूलों से हैं बातें करती।।

गेंदा और गुलाब महकते,
फूलों की हम माला पहनते।
इतनी सुन्दर बगिया सजायी,
फूलों को मत तोड़ो भाई।।

सुन्दर फूल हैं डाली-डाली,
खेतों में फैली हरियाली।
आसमान से परियाँ आतीं,
रंग-बिरंगे फूल सजातीं।।

रचना

शैल कुमारी (कक्षा-7)

उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा

बिसवाँ, सीतापुर

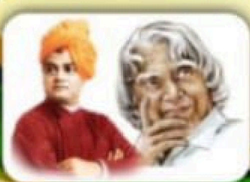

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 14-6-2023 **457** दिन- बुधवार

स्वच्छता

बच्चों! प्रतिदिन रोज नहाना,
करना न तुम कोई बहाना।
स्वस्थ शरीर है सुन्दर गहना,
गन्दे स्थान में तुम न रहना।।

गन्दगी नाखून में भरने पाई,
बिमारी समझो पास में आई।
कीटाणु नाखूनों में छिप जाते,
फिर वह हमको बीमार बनाते।।

हाथों को तुम धोते जाओ,
कीटाणु को दूर भगाओ।
गन्दे हाथ न मुँह में लगाओ,
सबको स्वच्छता के लाभ बताओ।।

रचना-
सचिन कुमार (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

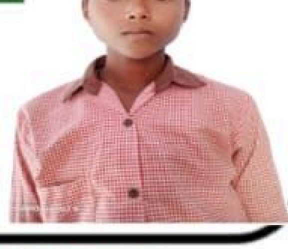

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

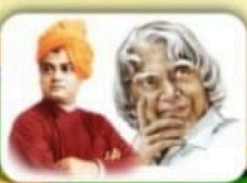

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 15/06/2023 **458** दिन- गुरुवार

दोस्ती

मैंने भी दोस्ती करके देखा,
दोस्त-यार सब कहके देखा,
निभायी तो मैंने सच्ची यारी।
पर दोस्ती में हमेशा मैं रोती ही आयी।।

जब मिले मेरे दोस्तों को नये दोस्त,
तब भूल गये वो मेरी यारी,
समझा था मैंने उन्हें कोमल सा फूल,
पर गलत थी मैं वो तो गये मुझे ही भूल।।

एक दोस्त ने भरदी मेरी जिंदगी मे रंग।।
पर यह देख मेरे धोखेबाज दोस्त रह गये दंग,
उन धोखे बाजो को मैंने समझा था फूल,
अब तो मैं भी गयी उन्हें ही भूल।।

दोस्ती निभायी हम दोनों ने सच्ची,
दोस्त है मेरी प्यारी-प्यारी अच्छी- अच्छी।
अब तो दुआ करूँगी हम दोनों रहे हमेशा खुश।
पिछले दोस्त भी रहे अपनी जिन्दगी में खुश।।

रचना-
सौम्या कुमारी (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

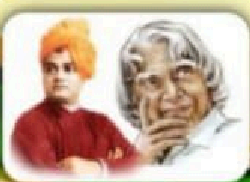

दिनाँक- 16-06-2023

459

दिन- शुक्रवार

फसलों की बुवाई

आने वाली वर्षा ऋतु है,
सबको इन्तजार इसका।
सूरज पहुँचेंगे आर्द्रा में,
किसान करें बोनी आ-हा।।

आर्द्रा में जो बोनी होवे,
अच्छी होती सदा फसल।
पानी अगर देर से वरसा,
न हो पहले जैसी फसल।।

गर जुलाई में पानी वरसे,
बोनी नहीं हो पाती है।
हो जाती तो वर्षा ऋतु में,
फसलें नहीं बढ़ पाती है।।

रचना

पारुल नायक (कक्षा-7)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-17.06.2023 **460** दिन- शनिवार

स्वच्छता...

स्वच्छता हम अपनाएँगे,
बीमारी दूर भगाएँगे।
शौचालय का प्रयोग करेंगे,
देश को स्वच्छ बनाएँगे।।

गन्दगी मुक्त भारत का सपना,
देख रहा है भारत अपना।
गन्दगी को करना दूर,
रोगाणुओं को करना चूर।।

गाँवों की गलियाँ-चौबारे,
स्वच्छ बनाएँ हम घर-द्वारे।
कोना-कोना रखें स्वच्छ,
कूड़ा-करकट सभी बुहारें।

रचना
अनुज जायसवाल (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 19-06-2023

461

दिन- सोमवार

मेरी गुड़िया

मेरी गुड़िया मुझको प्यारी,
आँखे इसकी काली-काली।
इसके बिना न मुझको भाये,
साथ में हम घूमने जाये।।

गुड़िया को मैं रोज़ सजाती,
नए-नए कपड़े उसे पहनाती।
मेरी सहेली संग में खेलें,
गुड़िया को सब गोद में ले लें।।

रचना-
प्रिया देवी (कक्षा- 6)
उ० प्रा० वि० भौंरी
क्षेत्र- मानिकपुर, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद

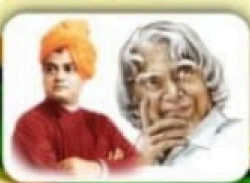

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 20/06/2023

462

दिन- मंगलवार

सब्जी

आलू खाओ, आलू खाओ,
आलू से ताकत को पाओ।
आलू से ऊर्जा को पाओ,
आलू खाओ, आलू खाओ।।

टमाटर खाओ, टमाटर खाओ,
लाल-लाल टमाटर खाओ।
टमाटर से विटामिन सी पाओ,
टमाटर खाओ, टमाटर खाओ।।

मूली खाओ, मूली खाओ,
कच्चा भी मूली खाओ।
सलाद बनाकर मूली खाओ,
मूली खाओ, मूली खाओ।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

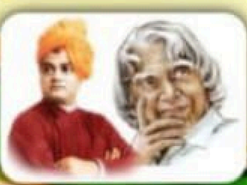

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 21-06-2023

463

दिन- बुधवार

मेरा प्यारा भारत देश

मेरा प्यारा भारत देश,
इसके जैसा कोई नहीं है।
नदियाँ, झरने, बहते कर कल,
स्वर्ग धरा पर देखो यहीं है।।

हरियाली कितनी सुन्दर है,
रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।
वर्षा ऋतु में आनन्द आता,
रत्न आभूषण यहाँ मिले हैं।।

पशु-पक्षियों की मधुर कहानी,
सुनते हैं हम रोज यहाँ।
जीवन को कैसे जीना है,
गुरुजी हमें बताते यहाँ।।

रचना
राजबहादुर (कक्षा-7)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

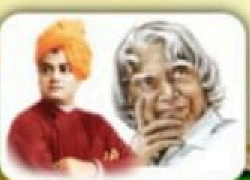

ईद का त्योहार...

ईद का त्योहार जब आता,
ढेर सारी खुशियाँ लाता।
तीस रोजे जब बीत जाते,
तब ईद का त्योहार मनाते।।

ईद की है जब रौनक आती,
चारों तरफ खुशियाँ छा जाती।
सब आपस में गले हैं मिलते,
बैर भाव हैं सबके मिटते।।

मम्मी जी सिवइयाँ पकाती,
हम सबको प्यार से खिलाती।
देते एक-दूजे को बधाई,
मीठी-मीठी ईद आयी।।

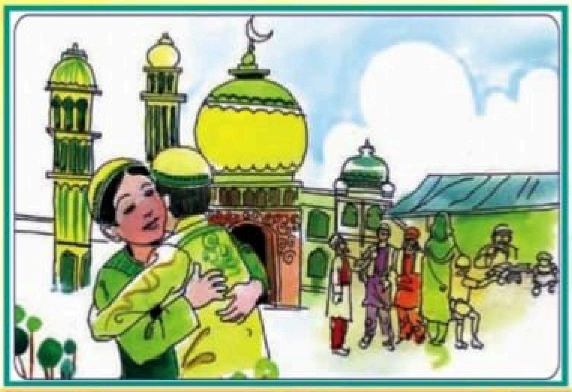

रचना
सन्ध्या यादव (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

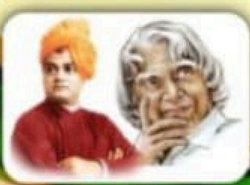

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 23-06-2023

465

दिन- शुक्रवार

गर्मी आई, गर्मी आई

गर्मी आई, गर्मी आई,
बड़ी तेज है आँच जून में,
मानो दी अग्नि बरसाई।।
गर्मी आई, गर्मी आई।।

आग फेंकती सारी धरती,
हवा गरम लू चला रही।
सूरज का क्या कहने भाई,
कुआं व नदियाँ नहीं रहीं।।

भागो-भागो अपने घर में,
जाकर पीयो खूब पानी।
हल्का सा कम खाओ भोजन,
तरबूज, खरबूज दो नानी।।

रचना
कौशकी गुप्ता (कक्षा-5)
प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

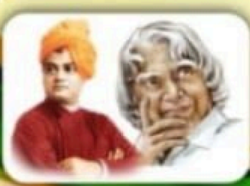

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 24/06/2023 | 466 | दिन- शनिवार

मीठा अनार

मीठा अनार आया है,
अनार खाने में अच्छा लगता है।
अनार कितना प्यारा है,
अनार कितना न्यारा है।।

अनार सब लोग खाते हैं,
अनार मीठा लगता है।
अनार में जल भरा रहता है,
मीठा-मीठा अनार है।।

रचना-
रवीना कुमारी (कक्षा- 3)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

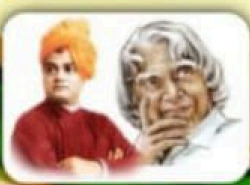

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 26-06-2023 | **467** | दिन- सोमवार

बड़ों की सीख

मेरे गुरु सदा कहते हैं,
कहना मानो बड़ों का तुम।
सच्ची शिक्षा उनसे मिलती,
आदर करो बड़ों का तुम।।

माता-पिता बड़े सबसे हैं,
रखते वही हमारा ध्यान।
फिर क्यों न हम उनको मानें,
उनको देवें नित सम्मान।।

पाल-पोषकर बड़ा करें वे,
गुरुजी हमें पढाते हैं।
देते हमें सीख अच्छी सी,
फिर क्यों हम इतराते हैं।।

रचना
कु० गौरी गुप्ता (कक्षा-5)
प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

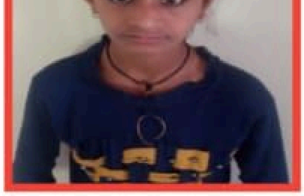

रंगीली होली...

रंगीली होली जब आती,
जग में हैं खुशियाँ जाती।
रंग-बिरंगे लोग हो जाते,
पकवानों की खुशबू आती।।

सभ खेलते रंग-गुलाल,
सबको अबीर लगाते हैं।
नये-नये कपड़े फिर पहनकर,
होली मिलने जाते हैं।।

होरी गाती सबकी ढोली,
मस्ती हम सब खूब करेंगे।
प्रेम-भाव से एक-दूजे के,
हम सभी जन गले मिलेंगे।।

रचना
शिवानी (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 28-06-2023

469

दिन- बुधवार

वर्षा ऋतु में सावधानी

वर्षा ऋतु में मचता कीचड़,
बदबू भारी फैल रही है।
साफ हुई सब गलियाँ, नदियाँ,
पर्वत से सब मैल बही है।।

गन्दा पानी बहता देखो,
इसमें नहीं नहाना तुम।
बही गन्दगी सारी महि की,
इससे बचके रहना तुम।।

उल्टी, दस्त, बुखार, पीलिया,
इस मौसम में आते हैं सब।
अगर करो कुछ सावधानी तो,
इन सबसे बच जाते सब।।

रचना
पारुल नायक (कक्षा-7)
उच्च प्रा० वि० बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

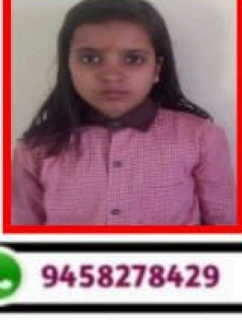

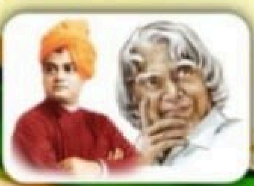

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 29/06/2023 | 470 | दिन- गुरुवार

फूल

रंग-बिरंगे हैं यें फूल,
प्यारे-न्यारे हैं यें फूल।
कितने सारे हैं यें फूल,
सुन्दर-सुन्दर दिखते फूल।।

चमकीला जैसे रहते फूल,
लाल-गुलाबी होते फूल।
पीले-नीले होते फूल,
सब-रंग के होते फूल।।

भगवान को चढ़ाते फूल,
सब लोग भगवान को चढ़ाते फूल।
हर-रंग का होता फूल,
चम-चम चमकते फूल।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

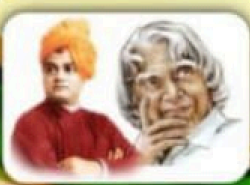

बाल सृजन संसार

दिनाँक-30-06-2023

471

दिन- शुक्रवार

सुहानी वर्षा ऋतु

वर्षा ऋतु है बड़ी सुहानी,
आयी है दल-बल के साथ।
आँधी चले, घनघोर घटाएँ,
अँधियारा हैं, दिखे न हाथ।।

चारों ओर बरसता जल है,
बच्चों चलो नहाएँ हम।
लोट-पोट होते पानी में,
नाचें, कूदें, चहकें हम।।

बाहर नहीं निकलता कोई,
सभी घरों के बस अन्दर हैं।
काम नहीं, पढ़ते पुराण कोई,
आल्हा बाँचें बूढ़े नर हैं

किस्सा बड़े सुनाते बूढ़े,
नारी गारीं गाती हैं।
सुनते लोकगीत रेडियो पे,
नर-नारी हरषाते हैं।।

रचना

अंशुल (कक्षा-6)
प्रा० वि०- बम्हौरी,
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)